Rashtriya Sahara
Sarkari farman se bifre Medical Chhatra
Date: 09/08/2013 | Edition: Delhi | Page: 7 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 15 H: 14
Clip: 1 of 1

सरकारी फरमान से बिफरे मेडिकल छात्र

नई दिल्ली (एसएनबी)। देशभर से सैकड़ों की संख्या में आए मेडिकल स्टूडेंट्स ने बृहस्पतिवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के बैनर तले जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान स्टूडेंट्स ने अंडर ग्रैजुएट व पोस्ट ग्रेजुएट-दोनों लेवल पर सीटों की संख्या एक समान करने और ग्रामीण क्षेत्रों में तैनाती को इंटर्नशिप और पोस्टग्रेजुएट ट्रेनिंग का हिस्सा बनाने की मांग की। स्टूडेंट्स ने इसे 'सेव द डॉक्टर्स' अभियान का नाम दिया। देशभर के दो से तीन लाख छात्रों का इस अभियान को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

सुबह 9 बजे से ही मेडिकल के स्टूडेंट्स व डाक्टरों का धरनास्थल पर एकत्रित होना शुरू हो गया। दोपहर 12 बजे ये लोग संसद मार्ग की ओर बढ़े, लेकिन पुलिसकर्मियों ने रास्ते में बेरिकेड लगाकर इन्हें रोक दिया। इससे पहले धरने को संबोधित करते हुए 'सेव द डाक्टर्स' अभियान के समन्यक डा. नवीन मुतरेजा ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों में पीजी की कम सीटों के चलते देश में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी है। ऐसे में विशेषज्ञ डाक्टरों के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा देना अनिवार्य करने से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होंगी। धरने को डा. विनय अग्रवाल, डा. अनिल बंसल, डीएमए के सचिव डा. केके कोहली व डा. प्रेम अग्रवाल समेत अन्य चिकित्सकों ने भी संबोधित किया। बाद में, छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य मंत्री डा. गुलाम नबी आजाद से मिलकर उन्हें एक ज्ञापन भी सौंपा। उन्हें दिए ज्ञापन में उक्त मांगों पर विचार करने का अनुरोध किया है। गौरतलब है कि देश भर में अंडरग्रेजुएट लेवल पर मेडिकल की करीब 45,600 सीटें हैं, जो जल्द ही बढ़कर 50 हजार हो जाएंगी। जबकि पीजी लेवल पर केवल 12 हजार सीटें हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में एक साल तक सेवा अनिवार्य करने के सरकार के फैसले के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे मेडिकल स्टूडेंट्स पर पानी की बौछारें करती दिल्ली पुलिस।